इंजीनियरिंग कर बनीं मेडिटेशन मोटिवेशनल ट्रेनर

प्रश्न : बहुत कम लोग जानते हैं शिवानी जी कि आपने इंजीनियरिंग की थी पहले और हम लोग सब आपको स्पिरिचुअल लीडर की तरह जानते हैं, स्पीकर की तरह जानते हैं। इंजीनियरिंग करने के बाद कैसे आपने सोचा कि आपको स्पिरिचुअलिटी की तरफ जाना है, कैसे अपने आप को प्रिपेअर किया और कैसे आप दूसरों को फिर मोटिवेट करने लगीं। नॉर्मल लाइफ होता है कि इंजीनियरिंग कर ली अब जॉब ढूंढेंगे, शादी करेंगे फिर बच्चे... ये नॉर्मल लाइफ होता है। आपने कैसे यह सोचा कि आप इंजीनियरिंग करने के बाद स्पिरिचुअलिटी की तरफ जाएंगी?

उत्तर : एक बहुत बड़ी मिथ है। और वो मिथ यह है कि वो स्पिरिचुअलिटी बाकी जीवन से अलग होती है। इसलिए हमें लगता है कि हमने इसको छोड़ा और फिर इधर चले गए। तो ज़्यादातर लोग पूछते हैं कि आपके जीवन में कुछ हुआ था? तो मैंने कहा नहीं। ऐसे कैसे? कुछ तो हुआ होगा! मैंने कहा नहीं सब ठीक ही था, फर्स्ट ही आती थी क्लास में हमेशा। जीवन में उस टाइम वही सिर्फ इम्पोर्टेंट हुआ करता था और इंजीनियरिंग भी उसी लेवल पर ही क्रॉस कर लिया था।

लेकिन मेरी मम्मी सेंटर पर जाने लगी, मेडिटेशन सीखने लगी। मुझे बार-बार बोलने लगी करने के लिए और जितना वो बोलती थी, मैं उतना नहीं करती थी। इसलिए बच्चों को ज़्यादा फोर्स नहीं करना चाहिए कभी। कई बच्चों के अंदर संस्कार होते हैं वो ऑपोज़िट करने लग जाते हैं फिर। तो वो जितना मुझे बोलती थी मैं उससे आधा ज़्यादा दूर होती जाती थी। लेकिन फिर उन्होंने मुझे बोलना बंद कर दिया। मैंने जॉब किया और जॉब करते हुए मेरी शादी भी फाइनल हो गई। सब कुछ फिक्स हो गया, सब कुछ परफेक्ट था। मैं बहुत खुश हूँ। और उस टाइम भी मैं बहुत खुश थी। लेकिन मम्मी को था कि जो उनको इतना अच्छा कुछ

ब्र.कु. शिवानी बहन, जीवन प्रबंधन विशेषज्ञा

मिला वो मुझे भी मिल जाए। तो कैसे एक पेरेंट बहुत साइलेंटली बहुत कुछ कर सकते हैं, वो मुझे बाद में समझ में आया कि उन्होंने साइलेंटली किया है। तो वो मेरे लिए मेडिटेशन करती थी कि मुझे यह रास्ता समझ में आने लगे। और खाना जो बनाता है ना उसके मन की स्थिति खाने वालों पर पड़ जाती है। तो वो खाना बनाते समय भी ये मेडिटेशन से मेरे लिए ये थॉट डाल देती कि इसको समझ में आए कि इसके लिए क्या सही है, कौन-सी चीज़ इसको करनी है, क्या करना है।

अचानक से एक दिन मैंने कहा कि मुझे भी सीखना है, जो आप सीख रहे हो। मुझे अभी तक नहीं पता कि मैंने उस दिन क्यों कहा ये, कि मुझे भी सीखना है। और जब मैंने सीखा थोड़ा टाइम लगा समझने में। लॉजिक के साथ स्पिरिचुअलिटी को कनेक्ट करने की कोशिश की तो कुछ-कुछ चीज़ें समझ में नहीं आती थी साइंटिफिकली(वैज्ञानिकता)। एक्सपीरियंस किया, जर्नी चल रही थी और नवम्बर का महीना था, जनवरी में मेरी शादी फिक्स्ड थी। फिर मुझे लगा कि मुझे एक प्युरिटी की जीवन जीनी है। मुझे ब्रह्मचर्य की जीवन जीनी है। पर शादी तो पहले से ही फिक्स थी, तो फिर मैंने सोचा कि इस शादी को मुझे खत्म करना है। अभी शादी तो हुई नहीं है तो अभी तो उसको कैंसिल किया जा सकता है। मैंने अपने फियॉन्से(मंगेतर) को कहा कि मुझे शादी नहीं करनी है। मुझे इस तरह का जीवन जीना है। उन्होंने मुझे एक ही लाइन में कहा कि तुम्हें जैसा जीवन जीना है वैसा जियो लेकिन यह शादी होगी, क्योंकि ये जुड़ चुकी है। इसको अभी बिल्कुल भी तोड़ना नहीं है। फिर हमने शादी की और उन्होंने मुझे सुपोर्ट किया और हमारी शादी को 27 साल हो गये हैं। तो वो एक पॉवर है। तो उस तरह से ये जीवन शुरू हुआ। ऐसा नहीं सोचा था कि ऐसे शेयर करना है। लेकिन जो भी चीज़ हमें अच्छी लगती है हमारा नॉर्मल संस्कार है ना हम किसी के साथ शेयर करते हैं। बस ऐसे ही सीखते गए और जो सीखते गए वो शेयर करते गए।

फरीदाबाद से.21-हरियाणा। ब्रह्माकुमारीज़ एवं श्री राम एजुकेशन सोसाइटी की ओर से अमृता हॉस्पिटल में 100 स्कूलों के डायरेक्टर, प्रिंसिपल एवं शिक्षकों के लिए आयोजित कार्यक्रम को मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. मोहित गुप्ता,कार्डियोलॉजिस्ट दिल्ली ने सम्बोधित किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एजुकेशन मिनिस्टर सीमा त्रिखा, डॉ. अमृता ज्योति,डायरेक्टर,श्री राम एजुकेशन सोसाइटी, स्वामी निजअमृतानंद जी महाराज,अमृता हॉस्पिटल के डायरेक्टर, सुरेश चन्द्र,एचपीएससी के स्टेट प्रेज़िडेंट, ब्र.कु. प्रीति दीदी,से. 21डी. सेवाकेंद्र की संचालिका, ब्र.कु. ज्योति बहन, ब्र.कु. मधु बहन व ब्र.कु. रंजना बहन सहित लगभग 1500 डायरेक्टर, प्रिंसिपल, टीचर्स सम्मिलित रहे।

ब्रह्मपुर-पीयूआरसी(ओडिशा)। ब्रह्माकुमारीज़ के प्रभु उपहार रिट्रीट सेंटर में आदित्य बिरला समूह के ग्रासिम के कर्मचारियों के लिए रिट्रीट का आयोजन किया गया। जिसमें 22 कर्मचारियों ने भाग लिया। राजयोगिनी ब्र.कु. माला बहन और अन्य ब्र.कु. बहनों द्वारा सभी का मार्गदर्शन किया गया। इस दौरान महाप्रबंधक और मानव संसाधन के प्रबंधक मौजूद रहे।

कोटा-कुन्हाड़ी(राज.)। ब्रह्माकुमारीज़ के शक्ति सरोवर में आने पर नारकोटिक्स के कमिश्नर जी.एस. पुरोहित तथा नारकोटिक्स के अन्य ऑफिसर्स को ईश्वरीय सौगात भेंट करने के पश्चात् उनके साथ हैं ब्र.कु. उर्मिला दीदी।

कादरपुर-गुरुग्राम से.63ए(हरियाणा)। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र पर 'उड़ान' थीम के अंतर्गत विद्यार्थियों के पर्सनालिटी डेवलपमेंट के लिए आयोजित 'समर कैम्प' के दौरान समूह चित्र में प्रतिभागी बच्चों के साथ सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. सुदेश बहन, ब्र.कु. रमेश भाई तथा ब्र.कु. नेहा बहन।

बयाना-राज.। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर जेल में कैदियों को योगाभ्यास कराने के पश्चात् जेलर केदार नाथ शर्मा को ईश्वरीय साहित्य भेंट करते हुए ब्र.कु. कमलेश बहन। साथ हैं ब्र.कु. साक्षी बहन, विनोद बिहारी तथा आनंद आर्य।

सवाई माधोपुर-राज.। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस एवं मातेश्वरी जगदम्बा के पुण्य स्मृति दिवस के उपलक्ष्य में स्थानीय ब्रह्माकुमारीज़ मुख्य सेवाकेंद्र राजयोग भवन में आयोजित कार्यक्रम में राज्य के कैबिनेट कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीना, ब्र.क. रेखा दीदी व ब्र.कु. निर्मला दीदी सहित अन्य भाई-बहनें शामिल रहे। इस मौके पर सभी ने मातेश्वरी को माला पहनाकर व दीप प्रज्वलित कर अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

मलेशिया। सेरि पैसिफिक होटल में फिलीपींस के इंडो ग्लोबल समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मैगुइन्डानाओ डेल सूर के गवर्नर मरियम मंगुदादातु द्वारा भारत के प्राचीन राजयोग का विश्व में प्रचार व प्रसार करने के लिए 183 वर्ल्ड रिकॉर्ड करने वाले प्रथम भारतीय डॉ. ब्र.कु. दीपक हरके को 'इंडो ग्लोबल अचीवर अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर थीम्स इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के निदेशक डॉ. इरविन डेलिन टोरेस, सामी मार्ग योग के संस्थापक डॉ. जेनेवीव टैन शू तंग एवं काउंसिल फॉर सस्टेनेबल पीस एंड डियागो के अध्यक्ष डॉ. रिपु रंजन सिन्हा उपस्थित रहे।

FOR ONLINE TRANSFER

Pay Directly to: osmorerf@indianbk

BANK NAME:- INDIAN BANK
BRANCH:- Shantivan,Talhati
ACCOUNT :- OM SHANTI MEDIA OF RERF
ACCOUNT NO:- 7552337300,
IFSC - CODE:- IDIB000S319

Note:- AfterTransfer send detail on
E-Mail - omshantimedia.acct@bkivv.org
E-Mail - omshantimedia@bkivv.org

ओमशान्ति मीडिया सदस्यता हेतु सम्पर्क करें

कार्यालय - ओमशान्ति मीडिया

संपादक - ब्र.कु. गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़,शान्तिवन,तलहटी,
पोस्ट बॉक्स न-5,आबू रोड, राज. 307510

संपर्क- M- 9414006096, 9414154344, 9414182088

Email-omshantimedia@bkivv.org

सदस्यता शुल्क : भारत - वार्षिक - ₹-240, तीन वर्ष - ₹- 720, आजीवन - ₹- 6000

Website: www.omshantimedia.org